**नया संसद भवन 'न्यू' इंडिया की आकांक्षाओं और आशाओं को साकार करेगा : लोक सभा अध्यक्ष**

**...**

**अगला शीतकालीन सत्र नए संसद भवन में होगा : लोक सभा अध्यक्ष**

**...**

**हमारा लक्ष्य है कि भारत विश्व सप्लाई चेन का महत्वपूर्ण अंग बने : लोक सभा अध्यक्ष**

**...**

**लोक सभा अध्यक्ष ने आशा व्यक्त की कि सिंगापुर के 'वर्क पास फ्रेमवर्क' द्वारा भारतीयों के लिए कोई प्रतिकूल नीतिगत परिवर्तन नहीं होगा**

**...**

**भारत की तेज़ी से बढ़ती अर्थव्यवस्था और किफायती जन शक्ति सिंगापुर की कंपनियों को विकास के अवसर दे सकते हैं:लोक सभा अध्यक्ष**

**...**

**लोक सभा अध्यक्ष ने सिंगापुर की संसद के अध्यक्ष से मुलाकात की**

**...**

**भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने इंडियन नेशनल आर्मी मेमोरियल का दौरा किया**

**...**

**सिंगापुर, 25 अप्रैल, 2022 :** लोक सभा अध्यक्ष श्री ओम बिरला के नेतृत्व में भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने आज अपने दक्षिण पूर्वी एशिया के दौरे के पांचवे दिन सिंगापुर की संसद के अध्यक्ष महामहिम श्री टैन चुआन-जिन से द्विपक्षीय बैठक की। इस अवसर पर श्री बिरला ने श्री जिन से कहा कि भारत और सिंगापुर दोनों लोकतान्त्रिक शासन पद्धति में आस्था रखने वाले देश हैं और लोकतान्त्रिक देशों की सांसदों के बीच नियमित संवाद लोकतंत्र को सशक्त करने तथा लोकतान्त्रिक संस्थाओं के प्रभावी कार्यकरण में सहायक होते हैं।

निर्माणाधीन नए संसद भवन का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि 21वीं सदी के नए भारत की आकांक्षाओं एवं आशाओं को साकार करने के उद्देश्य से नए संसद भवन का निर्माण कार्य चल रहा है। श्री बिरला ने विश्वास जताया कि नए भवन का निर्माण कार्य जल्द पूर्ण होकर अगला शीतकालीन सत्र नए संसद भवन में होगा।

श्री बिरला ने  प्रसन्नता व्यक्त की  कि सिंगापुर में बड़ी संख्या में भारतीय नागरिक काम कर रहे हैं और सिंगापुर ने परंपरागत रूप से भारतीय मूल के लोगों की प्रतिभा और परिश्रम को मान्यता दी है। उन्होंने आशा व्यक्त की कि सिंगापुर के वर्क पास फ्रेमवर्क में भारतीयों के लिए कोई प्रतिकूल नीतिगत परिवर्तन नहीं होगा।

यह जिक्र करते हुए कि आर्थिक संबंधों को बदलते परिप्रेक्ष्य में और सशक्त बनाने के लिए दोनों देशों के बीच चर्चा संवाद हो रहे हैं, श्री बिरला ने विचार व्यक्त किया कि  आज के विश्व में सप्लाइ चेन को सुदृढ़ करना एक नई आवश्यकता है। इस सन्दर्भ में उन्होंने कहा की हमारा लक्ष्य है कि भारत विश्व सप्लाई चेन की महत्वपूर्ण अंग बने। श्री बिरला ने आशा व्यक्त की कि भारत की तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था, कुशल और किफायती जनशक्ति और परिवर्तनशील बाजार व्यवस्था सिंगापुर की कंपनियों के लिए  समृद्धि और विकास के नए अवसर दे सकते हैं।

प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी  की पिछली सिंगापुर यात्रा का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने कहा कि उस यात्रा के बाद  फिनटेक की सहयोग के एक महत्वपूर्ण क्षेत्र के रूप में पहचान की गई थी। तब से डिजिटल कनेक्टिविटी काफी बढ़ी है। उन्होंने जोर देकर कहा कि इस क्षेत्र में हमें नए अवसरों का लाभ उठाना चाहिए। श्री बिरला ने यह भी सुझाव दिया कि दोनों देशों के बीच मौद्रिक तथा भुगतान प्रणाली के एकीकरण से विशेष रूप से नागरिकों तथा कंपनियों को कार्य करने में सुविधा होगी।

श्री बिरला ने आसियान-भारत संबंधों को बढ़ावा देने में सिंगापुर द्वारा निभाई गई सकारात्मक भूमिका की सराहना की और यह विचार व्यक्त किया कि  वर्ष 2018 में सिंगापुर की अध्यक्षता के दौरान आसियान-भारत रणनीतिक साझेदारी को बढ़ावा मिला है। उन्होंने यह भी कहा कि आसियान-भारत संवाद संबंधों में सिंगापुर की समन्वय की भूमिका के दौरान भारत सिंगापुर के साथ अधिक निकटता से काम करने के लिए उत्साहित है।

इससे पूर्व भारतीय संसदीय शिष्टमंडल ने नेताजी सुभाष चंद्र बोस की इंडियन नेशनल आर्मी (आईएनए) मेमोरियल का दौरा किया एवं पुष्पांजलि अर्पित की।

प्रतिनिधिमंडल में श्री रवनीत सिंह, सांसद (लोक सभा);  सुश्री सरोज पांडे, सांसद (राज्य सभा); श्रीमती लॉकेट चटर्जी, सांसद (लोक सभा); श्रीमती शर्मिष्ठा  सेठी, सांसद (लोक सभा); डा. सांतनु सेन, सांसद (राज्य सभा) और श्री उत्पल कुमार सिंह, महासचिव, लोक सभा शामिल हैं।